THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND -RETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): (a) and (b) To tha extent information is avt liable, no such instance has come t© the notice of the Government.

(c) Does not art se.

RE. BOFORS' Deal

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (मध्य प्रदेश) : महोदया, मैं एक [illegible] महत्वपूर्ण मामला उठाना चाहता हूं ।

उपसभापति : आप शायद शिवराज पाटिल जी ने कुछ स्टेटमेंट दिया था, उस संबंध में आप कुछ उठाना चाहते हैं। आप पहले मुझे [illegible] दीजिए । Let me go through and see whether it is materially different from what the previous statement was and then I will decide.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदया, जब [illegible] में वक्तव्य दिया गया उस समय गैर सरकारी विधेयक थे । 6 बजे के करीब वक्तव्य दिया गया और हमें स्पष्टीकरण मांगने का मौका नहीं दिया । आप उन्हें बुलाइये, हम स्पष्टीकरण मांगेंगे ।

उपसभापति : आपने [illegible] सवाल उठाने की अनुमति मांगी और आपने आज उठा दिया । अब यह जो स्टेटमेंट उन्होंने दिया था, उसमें मटीरियली क्या है, उसे देखने के बाद हम आपको बतायेंगे ।

Let me first go Through what the difference in the tatement is and then I can allow you. That is the procedure. Slide en !y you will isic some Minister to -ome and make a statement or give clarification, that **will** not be possible.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदया, इस सदन की परंपरा है कि जब मंत्री महोदय वक्तव्य देते हैं तो मैम्बरों को स्पष्टीकरण मांगने का अधिकार होता है। उस समय ऐसे मौके पर वक्तव्य दिया गया कि मैम्बर स्पष्टीकरण नहीं मांग सके । उपसभापति महोदया, मामला महत्वपूर्ण है, इसलिए तो उन्हें स्पष्टीकरण देने की जरूरत पड़ी ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me see what it is.

PROF. C. LAKSHMANNA (Andhra Pradesh): Madam, then and there on that day I said that I want to seek a clarification but I was **not** allowed.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me go through it and then I will decide. Now, Papers to ba laid on the Table.

PAPFRS LAID ON THE TABLE

Companies (Acceptance of Deposits)" Amendment Rules, 1981

Amendments in the chartered Accountants Regulations, 1964

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM); Madam, I beg to lay on the Table:—

I. A copy (in English and Hindi) of the Ministry of Industry (Department of Company Affairs), Notification GSR No. 358(E), dated the 1st April, 1987, publishing the Companies (Acceptance of Deposits) Amendment Rules, 1987, under sub-section (3) of section 642 of the Companies Act, 1956. [Placed in Library. *See* No. LT-4625[87].

II. A copy (in English and Hindi) of the Institute of Chartered Accountants of India, Notification No. 1-CA(7)[154|87, dated the 30th May, 1987 making amendments **in**

the Chartered Accountants Regulations, 1964, under section 30B of the Chartered Accountants Act, 1949. [Placed in Library. *See* No. LT-4626)87].

Report and Accounts (1985-86) of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited Calcutta and related papers

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): Madam, I beg to lay on the Table, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956, a copy each (in English and Hindi) of the following papers: —

(i) Fifth Annual Report and Accounts of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited, Calcutta, for the year 1985-86, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(ift) Review by Government oa the working of the Company.

[Placed in Library. *See* No. LT-4628|87 for (i) and (#)].

Re. Treatment misted out to the Members of Parliament at the Delhi Airport

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र) : महोदया, एक 'दुखद' घटना के बारे में मैं आपकी अनुमति से सदन का दो मिनट का समय लेना चाहता हूं । महोदया हमारे जो श्रद्धेय जन हैं, उनमें सरहदी गांधी जी भी हैं । उस समय जबकि हम छोटे लड़के थे सेवादल के तब पूना में वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई, 1945-46 में । तब हम उसके स्वयंसेवक थे । उस समय श्री सरहदी गांधी और जवाहर लाल नेहरु सेवादल की रेली में आए और उन्होंने हम नौजवानों को यह आदेश दिया कि इस काम को बाहर फैलाने के लिए आप महाराष्ट्र से बाहर जाइए । मैं उनमें से एक व्यक्ति हूं जिन्हें सिंध में काम करने का सौभाग्य मिला और विभाजन के बाद मुझे वापस आना पड़ा । ऐसे श्रद्धा जन जिनके बारे में हमारे दिल में एक असीम श्रद्धा तो है ही वे हमारी प्रेरणा के स्रोत भी हैं । उपसभापति महोदया, हमारे जो एअरपोर्ट्स हैं जहां से हमारे वा०आई०पी० आते जाते हैं, मैं तो वहां आज तक गया नहीं लेकिन व्यक्तिगत श्रद्धा के कारण कल गया था । जिस तरह का बर्ताव आपके सुरक्षा अधिकारी हम मेम्बर आफ पार्लियामेंट के साथ करते हैं उससे मुझे शर्म आती है । क्या इस देश में पार्लियामेंट का मेंबर कोई गुनाहगार बन गया है ? वहां सिर्फ दो-तीन सौ लोग थे जिनमें आपके मंत्रीजी थे, प्रधान मंत्री जी थे और हम जैसे लोग थे जिनके दिल में केवल श्रद्धा के कण थे । मैं इस बात को जानता था कि हमारे लिए उनकी अंतिम विदाई है । मैं अस्पताल में नहीं जा पाया, इसलिए हमने सोचा कि एक बार उन्हें देख लें । लेकिन इतना बर्बरतापूर्ण, इतना अपमानजनक इतना ह्यूमिलेटिंग बिहेवियर वहां के सुरक्षा अधिकारी ने किया कि मेरा तो पक्का फैसला है कि सरकार के किसी कार्यक्रम में हम उपस्थित नहीं रहेंगे । मैं वहां गया मैंने कहा मैं पार्लियामेंट मेंबर हूं । ऐसे देख रहे थे जैसे किसी गुनहगार को देखते हैं। He looked at me from top to bottom. It was so humiliating. Is it the way? Is it the kind of behaviour we should have from the security personnel? हमको नहीं जाने दिया । हमारा आई कार्ड लेकर वह दूसरे के पास गया । उसने हमसे पूछा कि हमारा नाम क्या है । हमने कहा कि इस पर लिखा हुआ है । अंदर लांज में और एडिशनल कार्ड दे दिया, हमने मांगा नहीं था । जो मिनिस्टर लोग थे वे चले गए । हम पांच पार्लियामेंट के मेंबर थे, इस हाउस के भी थे लेकिन हमको नहीं जाने दिया । हमारी स्थिति ऐसी थी जैसे भिखारी सुरक्षा अधिकारियों के सामने जाए, उनसे भीख